

## Newspaper Clips

August 6-8, 2016

August 8

Nai Duniya ND 08.08.2016 P-04

# केन्द्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कहा- रिसर्च और इनोवेशन है मोदी सरकार का मंत्र छत्तीसगढ़ में देश का 23वां आईआईटी शुरू, माइनिंग फैकल्टी देने का वादा भी

रायपुर। ब्यूरो

केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री (एचआरडी) प्रकाश जावड़ेकर ने रविवार को प्रदेश के पहले और देश के 23 वें भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) की विधिवत शुरुआत की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आईआईटी में पढ़ रहे छात्रों की पहली बैच निकले से पहले भिलाई में इस संस्थान का कैम्पस तैयार हो जाएगा। अभी भिलाई आईआईटी तीन ब्रांच के साथ शुरू हुआ है लेकिन अगले साल यहाँ माइनिंग ब्रांच भी खुल जाएगी। देश में सात नए आईआईटी संस्थान खोले गए हैं जिनका संचालन अभी सोसायटी कर रही है। सरकार जल्द ही आईआईटी को रेगुलर करने के लिए बिल लाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ.रमन सिंह ने कहा हमने उच्च शिक्षा में लंबी

छलांग लगाई है। एनआईटी, विधि विश्वविद्यालय, एम्स सब कुछ यहाँ है। अब आईआईटी भी हो गया। छत्तीसगढ़ देश में टॉप का राज्य बनेगा। हमारा ध्यान प्राइमरी शिक्षा की गुणवत्ता पर है। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास मंत्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय ने कहा वर्ष 2007 में छत्तीसगढ़ विधानसभा में अशासकीय संकल्प पारित कर आईआईटी की स्थापना का संकल्प लिया था। आज वह स्वप्न पूरा हुआ। आईआईटी की स्थापना माथे पर तिलक सरीखा है। आईडिया में दम है तो सरकार करेगी मदद

जावड़ेकर ने कहा अगर आपके आइडिया में दम है तो अपने हॉस्टल के कमरे से रिसर्च शुरू करें, सरकार मदद करेगी। अच्छा खोजो और यहाँ से बाहर भेजो। यही मेक इन इंडिया है।



भिलाई आईआईटी उद्घाटन के दौरान संबोधित करते केन्द्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर। साथ में डॉ. रमन सिंह समेत अन्य।

### आईआईटी गोद ले गांव : जावड़ेकर

इस मौके पर केन्द्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि अगर एक

आईआईटी 4-5 गांव गौद लेकर काम करे तो सोचो कितना बदलाव आएगा।

प्राइमरी स्कूलों में आईआईटी वाले जाएं, उन्हें प्रेरित करें।

## सता रहा था नक्सलियों का खतरा, अब पता चला- छत्तीसगढ़ शांति का टापू आईआईटी छात्राओं का कहना- एडमिशन से पहले परिवार में था संशय

रायपुर। ब्यूरो

जेईई काउंसिलिंग में रैंक के आधार पर इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलॉजी (आईआईटी) भिलाई मिला। जानकारी मम्मी-पापा को हुई। यह सुन मम्मी कहने लगी-वहाँ मत जाओ, नक्सलियों का खतरा बहुत है। जब एडमिशन के दौरान पहली बार रायपुर आई तो कहने लगी कि आईआईटी भिलाई तो बेस्ट है। इसी तरह का संशय अधिकांश स्टूडेंट्स

के पैरेंट्स में एडमिशन से पहले था। लेकिन रायपुर आने के बाद पैरेंट्स को पता चला कि छत्तीसगढ़ तो शांति का टापू है। गौरतलब है कि इस संस्थान के तीन ब्रांच की कुल 120 सीट में 112 स्टूडेंट्स दूसरे राज्यों से हैं। ऐसे में छत्तीसगढ़ के प्रति उनका नजरिया कुछ अलग ही था। लेकिन यहाँ आने के बाद मालूम हुआ कि जिन चीजों का डर है, वह तो सैकड़ों किमी दूर है और अब वह समस्या भी शिक्षा के प्रचार-प्रसार के कारण खत्म होती जा रही है।

इसके अलावा हर पैरेंट्स अपनी बेटी की सुरक्षा को लेकर चिंतित रहता है, लेकिन आईआईटी भिलाई में उनकी सभी चिंता दूर हो गई है। आईआईटी भिलाई का उद्घाटन रविवार को केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने किया। इस दौरान उन्होंने स्टूडेंट्स से बातचीत भी की और कहा कि इंजीनियरिंग के क्षेत्र में संभावनाएं बहुत हैं, इसलिए पढ़ाई और रिसर्च में हर वक्त इनोवेशन लाने का प्रयास करें।

### स्टूडेंट्स का कहना

छत्तीसगढ़ का नाम सुनकर लगता था कि यहाँ नक्सली है, लेकिन हकीकत आने के बाद मालूम हुआ कि यहाँ तो हर जगह शांति है। परिवार को चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है।

-**वाचिका गुप्ता**, इलेक्ट्रिकल ब्रांच, इंदौर

आईआईटी भिलाई के हम पहले वैच है। इसलिए बहुत गर्व है। पढ़ाई की शुरुआत हो गई है। हमें नहीं मालूम था

कि छत्तीसगढ़ की राजधानी इतनी सुंदर और वेल डिवेलप होगी।

-**एकता**, सीएस ब्रांच, लखनऊ

इस संस्थान में पढ़ना किसी एक्साइटमेंट से कम नहीं है। बहुत अच्छा लगा रहा है कि पढ़ाई के साथ-साथ यहाँ के कल्चर को जानने-समझने और अपनाने का एक मौका मिला।

-**रितिका**, इलेक्ट्रिकल ब्रांच, इंदौर

# देश के 30वें आईआईटी का लोकार्पण किया जावड़ेकर ने मोदी का फोकस इनोवेशन पर

केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पूरा फोकस इनोवेशन पर है। सरकार देश की शिक्षा में बड़ा सुधार करना चाहती है। वे यहां 30 वें भिलाई आईआईटी के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे।

हरिभूमि न्यूज़, रायपुर

छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा की एक नई उपलब्धी को जोड़ते हुए देश के 30 वें भिलाई आईआईटी का रविवार को केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने उद्घाटन किया। इस

अवसर पर जावड़ेकर ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फोकस पूरी तरह इनोवेशन पर है और रिसर्च बेस्ड एजुकेशन के जरिए सरकार देश की उच्च शिक्षा में बड़ा सुधार करना चाहती है, ताकि हमारे छात्र उच्च शिक्षा और फिर नौकरी के लिए अमेरिका में जाकर यहीं अपना बेहतर भविष्य गढ़ सकें। इस अवसर पर

## खास बातें

- अगले शिक्षा सत्र में माइनिंग ब्रांच भी की जाएगी प्रारंभ
- 7 नए आईआईटी को जल्द ही कानूनी मान्यता मिल जाएगी
- नौकरी के लिए बच्चों को बाहर का मुंह न देखना पड़े यही प्रयास
- अभी सोसाइटी के माध्यम से हो रहा है आईआईटी का संचालन
- रिसर्च बेस्ड एजुकेशन के माध्यम से शिक्षा में सुधार होगा

जावड़ेकर ने घोषणा करते हुए कहा कि राज्य में माइंस के क्षेत्र में बड़ी संभावनाओं को देखते हुए अगले शिक्षा सत्र से यहाँ आईआईटी में माइनिंग ब्रांच भी शुरू की जाएगी।

## सभी प्रक्रियाएं पूरी

उन्होंने कहा कि इस वर्ष शुरू किए गए सभी सात आईआईटी की सभी प्रक्रियाएं पूरी हो गई हैं। अभी नए आईआईटी का संचालन



सोसाइटी के माध्यम से किया जा रहा है। सेजबहार स्थित अस्थायी कैंपस में आयोजित उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह, उच्च शिक्षा मंत्री प्रेम प्रकाश

पांडे, मंत्री अजय चंद्राकर, राजेश मृगत, मुख्य सचिव विवेक दांड, उच्च शिक्षा-तकनीक शिक्षा सचिव सहित आईआईटी स्टाफ व छात्र उपस्थित थे।

## आईआईटी के साथ देश के सभी प्रीमियम शिक्षा संस्थान ग्रेटर रायपुर में होंगे

- एम्स, आईआईटी आईआईएम, लॉ यूनिवर्सिटी
- ट्रिपल आईटी एनआईटी और कृषि विवि

भास्कर न्यूज़ | रायपुर

भिलाई यानी भविष्य के ग्रेटर रायपुर में रविवार को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) के उद्घाटन के साथ ही राजधानी संभवतः देश का पहला ऐसा शहर बन गई है, जहां देश के सारे प्रीमियम शिक्षा संस्थान उपलब्ध हैं। राजधानी तथा प्रदेश के छात्रों के लिए अब महज 40 किमी दायरे में आल इंडिया इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (एम्स) आईआईटी, इंडियन इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट (आईआईएम) लॉ यूनिवर्सिटी (एचएनएलयू), ट्रिपल आईटी, नेशनल इंस्टीट्यूट आफ टेकनालॉजी (एनआईटी) तथा



रायपुर के इंजीनियरिंग कॉलेज में मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह की मौजूदगी में आईआईटी भिलाई का शुभारंभ करते हुए केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री प्रकाश जावड़ेकर। इस मौके पर राज्य के मंत्री प्रेम प्रकाश पांडेय, पूल्लाल मोहिते और राज्य सभा सांसद रामविचार नेताम भी उपस्थित थे।

कृषि विश्वविद्यालय जैसे प्रीमियम संस्थान मुहैया हैं।

ये हर साल अलग-अलग संकायों में कुल 3365 सीट उपलब्ध करवा रहे हैं, जिनमें छत्तीसगढ़ के छात्रों के लिए सीटें रिजर्व भी हैं। इन संस्थानों के प्रमुखों का मानना है कि देश के किसी राज्य की राजधानी या किसी

एक शहर में इतने प्रीमियम शिक्षा संस्थान एक साथ नहीं चल रहे हैं। किसी भी अन्य राज्य की राजधानी या एक शहर में एक ही जगह इतने बड़े शैक्षणिक संस्थान संचालित हो रहे हैं। इन संस्थानों के कुलपति और डायरेक्टर का कहना है कि यह प्रदेश के लिए भी गर्व का विषय है।

आईआईटी का उद्घाटन

# हॉस्टल के पते से भी स्टार्टअप कर सकेंगे आईआईटी के छात्र

रायपुर के इंजीनियरिंग कॉलेज से शुरू भिलाई में स्थापित किया गया देश का 23वां राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान

एचआरडी मंत्री जावड़ेकर और मुख्यमंत्री रमन सिंह ने किया उद्घाटन

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क

patrika.com

रायपुर, राजधानी के सेजबहार स्थित शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर से देश का 23वां आईआईटी (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भिलाई) रविवार को विधिवत शुरू हो गया। केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावड़ेकर और मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रेक्षागृह से इसका उद्घाटन किया। भिलाई के कुटेलाभाटा में भवन का निर्माण हो जाने तक आईआईटी की सभी गतिविधियों का संचालन इंजीनियरिंग कॉलेज से ही होगा। जावड़ेकर ने नई पहल के बारे में बताया, विचारों में दम हो तो आईआईटी के विद्यार्थी परिसर से ही स्टार्टअप शुरू कर सकेंगे। उनके छात्रावास के कमरे के पते पर बैंक वित्तीय मदद मुहैया कराएंगे।

**केंद्रीय मंत्री ने यह कहा:** जो विचार और संविधान का सामना नहीं कर सकते, उनके निशाने पर शिक्षा का ढांचा होता है। माओवादियों



श्री प्रिंटर से प्लास्टिक का फूल निकलते देखकर मंत्री जावड़ेकर भी हैरान रह गए। साथ हैं, सीएम रमन सिंह।

## फिलहाल यह व्यवस्था

फिलहाल इसे इंजीनियरिंग की तीन शाखाओं, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के साथ शुरू किया गया है। पहले सत्र के 118 विद्यार्थियों के लिए आईआईटी हैदराबाद के 25 प्रोफेसर्स को यहां पढ़ाने की जिम्मेदारी दी गई है। प्रशासकीय दायित्व भी आईआईटी, हैदराबाद के पास होगा।

ने आदिवासी क्षेत्रों के स्कूल ध्वस्त कर दिए हैं। लेकिन गरीबों और प्रताड़ित लोगों को शिक्षा से जोड़ना सरकार की पहली प्राथमिकता है। आईआईटी भिलाई प्रदेश और देश की भावी पीढ़ियों का निर्माण करेगा।

2018-19 तक आईआईटी भिलाई में खनन इंजीनियरिंग की पढ़ाई शुरू हो जाएगी। पहले सत्र के विद्यार्थी अपनी डिग्री भिलाई के नए परिसर में लेंगे।

**ये थे मौजूद:** उच्च एवं

## दो नई पहल

### 1. आईआईटी पाल

आईआईटी की प्रवेश परीक्षा की तैयारियों के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म। पाठ्यक्रम के मुताबिक अध्ययन सामग्री, विशेषज्ञों के व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, पिछले वर्षों के प्रश्नपत्र, विशेषज्ञों की सलाह, करियर से जुड़े अन्य प्रश्नों का समाधान करेगा।

### 2. कैम्पस स्टार्टअप

आईआईटी के छात्र परिसर से ही स्टार्टअप शुरू कर सकेंगे। आईआईटी और मानव संसाधन विकास मंत्रालय ऐसे स्टार्टअप को आगे ले जाने में पूरी मदद करेगा।

मुख्यमंत्री यह बोले: छत्तीसगढ़ के बारे में गलत धारणाएं फैलाई गई हैं। माओवादी समस्या का कोई अंश भी यहां नहीं है। कुछ छिटपुट घटनाएं दंतेवाड़ा-सुकुमा के किनारे होती हैं। विभिन्न प्रांतों से आईआईटी में आए विद्यार्थी बाहर जाकर इसके बारे में बताएंगे।

तकनीकी शिक्षा मंत्री प्रेमप्रकाश पांडेय, खाद्य मंत्री पुन्नूलाल मोहले, सांसद रमेश बैस, भूषणलाल जांगड़े, रणविजय सिंह जुदेव, मुख्य सचिव विवेक ढांड आदि मौजूद रहे।

## नई कवायद...

## अब आईआईटी में जूनियर्स की क्लास लेंगे सीनियर्स

विदेश से भारतीय प्रतिभाओं को वापस बुलाएगी सरकार

अमित अश्विनी शर्मा  
rajasthanpatrika.com

नई दिल्ली. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के सीनियर छात्र अब जूनियर्स को पढ़ाएंगे। आईआईटी के इतिहास में पहली बार ऐसा प्रयोग होने जा रहा है। आईआईटी में तीस फ्रीसदी से अधिक प्रोफेसर्स के पद खाली हैं, जिनकी प्रतिपूर्ति इस तरह से करने की कोशिश की जा रही है। इसके लिए केंद्रीय मानव संसाधन मंत्रालय बकायादा विशेष कार्ययोजना तैयार कर रहा है। इसमें सीनियर छात्रों का सिलेक्शन किया जाएगा, जो जूनियर्स की कक्षाएं लेंगे। मंत्रालय का कहना है कि आईआईटी की उत्कृष्टता बनाए रखने के लिए यह प्रयोग किया जा रहा है।



## कई कार्यक्रमों पर हो रहा काम

मंत्रालय विदेश में पढ़ रहे भारतीय छात्रों को वापस बुलाने की योजना बना रहा है। मंत्रालय का तर्क है कि कई युवा वेब वापस आना चाहते हैं लेकिन सरकार के पास उनके लिए कोई योजना नहीं है। ऐसे कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाने के लिए सरकार ने दो करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। मंत्रालय का कहना है कि एक आईआईटी छात्र पर केंद्र सरकार छह लाख रुपये खर्च करती है।

## सावधान रहने की जरूरत

पूर्व आईआईटी छात्र राहुल पांडे ने कहा कि यह प्रयोग अच्छा है, लेकिन इसके कई खराब पहलू भी हैं। इसका कारण कि सीनियर छात्रों के पास भी शोध का बहुत सा कार्य होता है, ऐसे में यह देखना होगा वह कैसे दोनों कार्य में अपने का ध्यान पाता है। कार्यवाही यही कहता है कि अदिलंब आईआईटी फैक्टरी को पूरा किया जाना चाहिए।



23 आईआईटी  
05 नए बनाए 2016 में  
1812 एकेडमिक स्टाफ  
60671 कुल छात्र

## विशेषज्ञ आएंगे

मंत्रालय आईआईटी संस्थान में विदेशी तकनीकी विशेषज्ञों को भी बुलाने पर विचार कर रहा है, लेकिन अतिरिक्त फंडिंग नहीं हुआ है। इसके तहत विदेशी तकनीकी विशेषज्ञ भारत आकर आईआईटी संस्थानों में पढ़ रहे छात्रों को प्रशिक्षित करेंगे।



## लॉ कॉलेजों को भी मिले आईआईटी जैसा महत्व

संसदीय समिति ने की सरकार से सिफारिश

हरिभूमि ब्यूरो. नई दिल्ली

कार्मिक, लोक शिकायतें, कानून और न्याय विभाग की स्थाई समिति ने देश में कानून की पढ़ाई की हालात पर चिंता व्यक्त करते हुए सरकार से कहा है कि वह नेशनल स्कूल ऑफ लॉ को एम्स और आईआईटी जैसे संस्थानों के समान दर्जा दे तथा उन्हें वित्तीय सहायता भी मुहैया कराए। समिति ने शुक्रवार को संसद के पटल पर रखी गई अपनी रिपोर्ट में सरकार से कहा है कि अब समय आ गया है जबकि कानून की पढ़ाई के साथ उसके नए आयामों, मध्यस्थता और परामर्श पर ध्यान दिया जाए। समिति ने पाया कि मध्यस्थता और परामर्श वर्तमान में कानून के सामान्य धारा के अंग तो बन गए हैं लेकिन उसे एडवोकेट एक्ट में पंजीकृत वकीलों के लिए आवश्यक नहीं समझा जाता है। समिति ने पाया कि मध्यस्थता और परामर्श पूरी दुनिया में कानूनी शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गए हैं। रिपोर्ट में समिति ने देश में कानून की शिक्षा देने वाले संस्थानों से कहा है कि वो इन क्षेत्रों की पढ़ाई पर भी ध्यान केंद्रित करें। उसने उच्च स्कूल

शिक्षा पाठ्यक्रम में समझौता, मध्यस्थता जैसे दस्तावेजों का मसौदा तैयार करने की पढ़ाई शामिल करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया है। अपनी सिफारिश में समिति ने केंद्र सरकार से कहा है कि वह ऐसे उपाय करे ताकि विभिन्न राज्यों में राज्य कानून के तहत स्थापित किए गए कानून के कॉलेजों की उपेक्षा न की जाए। कानून आम आदमी के जीवन को प्रभावित करता है। समिति ने सरकार से कहा कि राज्यों के कानून के तहत नेशनल लॉ स्कूल को राष्ट्रीय महत्व के संस्थान का दर्जा दिया जाए। यह संस्थान दूसरे कानून विद्यालयों के लिए रोल मॉडल की तरह से कार्य कर सकते हैं। वहीं दूसरे ओर समिति ने बार कौंसिल ऑफ इंडिया द्वारा प्रत्येक राज्य में लॉयर एकेडमी स्थापित किए जाने के निर्णय की प्रशंसा की है। बता दें कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के कानूनी पेंचों को समझने के लिए मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी लॉयर (वकील) एकेडमी स्थापित किए जाने का प्रस्ताव है। कानूनी व्यवसाय करने वाले लोगों की सर्वोच्च संस्था बार कौंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) है।

## Free online course from IIT Madras will teach you how to create mobile 'apps'

From booking a cab to buying groceries from the comfort of your home, mobile applications, popularly known as 'apps', have become an integral part of our everyday lives. In fact, sky is the limit when it comes to what all one can do with apps. Now, the Indian Institute of Technology Madras (IIT Madras) is offering an opportunity to all those with basic programming skills to learn app development in just five weeks. IIT Madras will start a free online course on Introduction to Modern Application Development (IMAD), from September, 5, 2016, which will be open to all. Short 20-minute course videos will be available online on YouTube and can be watched anytime. The course will have graded assignments, and a final test to help one remain focused through the course. Registration for the course has begun and can be done by visiting [www.imad.tech](http://www.imad.tech).

Hindustan Times ND 08.08.2016 P-01

## Engineering loses allure as more students turn to arts

Neelam Pandey  
● [nlp@hindustantimes.com](mailto:nlp@hindustantimes.com)

**NEW DELHI:** The engineering dream appears to be losing steam.

The number of candidates taking the joint entrance examination (JEE) for engineering institutes has dipped over the past two consecutive years, a first in the history of what is considered one of India's toughest tests.

The candidates who took the JEE dropped by 27,000 this April from last year, and by 56,000 in 2015 when compared to the preceding year.

More than a million students take the two-part test every year and the number of aspirants has risen by 20,000 to 30,000 every

year since 2008.

But academics say the real story is not in the absolute numbers—which form a small chunk of the total IIT aspirants—but in the broader trend that mirrors a shift in social attitudes.

Younger generations are unwilling to follow their parent's example and enrol in an engineering course, long considered a safe bet for an aspiring middle class, they say. Fewer cushy engineering jobs have dissuaded students further.

"More parents and students are now willing to experiment rather than take the traditional route," said Lata Vaidyanathan, former principal of Delhi's Modern School, Barakhamba Road.

The sliding numbers have alarmed the human resource development ministry, which is set to discuss the matter at a meeting with the IIT council next month, officials said.

The idea is also to assess if the trend mirrored a decreasing interest in science as is evident at the school level, they added.

Official data on enrolment in Indian schools show more Class 11 students opting for humanities as the demand for pure sciences drops. This, academics say, is because more people want to study subjects such as Economics and Mathematics—available under the humanities umbrella.

CONTINUED ON PAGE 6

### DROP IN JEE APPLICATIONS

Last two years have seen a significant drop in the number of students applying for the joint entrance examination



SOURCE: HRD MINISTRY, UNIFIED DISTRICT INFORMATION SYSTEM FOR EDUCATION

### ARTS A POPULAR CHOICE

More and more students are deciding against pure sciences in Class 11 itself, opting for arts instead

**32%**

Rise in the number of students choosing arts in schools across India in 2014-15. Around 52.83 lakh opted for it compared to 39.89 lakh the previous year

**16%**

Rise in the number of students choosing science. Around 52.34 lakh opted for the stream compared to 27.96 lakh in 2013-14

frompageone

## Engg loses allure, more students turn to arts

"Students who want to do an MBA later don't want to waste an additional year doing engineering. They can do Economics honours or anything else," Vaidyanathan said. "Students are more creative today. They have greater entrepreneur skills; it reflects in the choices they make."

An alumnus of the Indian Institute of Management-Calcutta told HT he graduated from the Delhi College of Engineering before doing an MBA. "In hindsight, I would have rather done an honours course in Economics and then

MBA. It would have saved me a year," he said.

Coaching institutes said the dip was because of falling standards of education in India, which produces 800,000 engineering graduates annually from 3,000-odd registered technical institutes.

"Engineers are not getting good jobs as earlier. There has been a reduction in the number of students coming here," said Naveen Maheshwari, director of Allen Institute in southeast Rajasthan's Kota—a popular coaching destination for competitive exam preparations.

But the IIT Council that is responsible for all Indian Institutes of Technology dismissed the speculation.

"There are almost 1.3 million students who sit for this exam; so the dip is not significant at all," said Ashok Misra, chairman of the standing committee of the IIT Council. "Also, we have local colleges and students might be opting for that. All the same, it is good if more students are opting for humanities."

The JEE has been conducted in two stages—Main and Advanced—since 2012. The JEE (Main) is the qualifying

exam for admissions to centrally-funded technical institutions such as National Institutes of Technology, Indian Institutes of Information Technology and institutions in the participating states.

Of those taking JEE (Main), the top 150,000 to 200,000 are short-listed for the JEE (Advanced) for admissions in IITs. Till 2012, the All India Engineering Entrance Examination and IIT-JEE were conducted as separate exams. The new system for admissions in engineering courses came in place in 2013.

August 7

Statesman ND 07.08.2016 P-04

## Javadekar inaugurates IIT

press trust of india

JAMMU, 6 AUG: The Union human resource development minister Mr Prakash Javadekar today inaugurated the transit campus of Indian Institute of Technology (IIT) here and praised Jammu and Kashmir for "keeping pace" with education despite a decades-long turmoil with gross enrolment figures higher than the national average.

Ninety students have been enrolled at IIT, Jammu for the first academic session.

"Jammu and Kashmir has excelled in education despite the turmoil," said Mr Javadekar after declaring open the institute. "Compared to the national average of 23.6 per cent of gross enrolment in higher education, girls pursuing higher studies in Jammu and Kashmir have a 27-per cent gross enrolment, more than the 25 per cent of boys, and both the figures are higher than the national average," he added. The minister said the centre has emphasised on creating centres of excellence in higher educa-

tion and IIT, Jammu was a step towards that direction, adding that the government has also launched a free online coaching programme for IIT aspirants. He said the inauguration of IIT, Jammu was delayed due to a land problem. Mr Javadekar announced Rs 100 crore for IIT, Srinagar under a special plan this year to facilitate research and development. He said, "Rs 1,000 crore has been earmarked in the Union Budget to create a finance agency and another Rs 1,000 crore is expected.

जावड़ेकर ने आईआईटी जम्मू का विधिवत उद्घाटन किया, सत्र शुरू

## निट श्रीनगर को मिलेंगे सौ करोड़

जम्मू। ब्यूरो

केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने निट श्रीनगर के विस्तार के लिए सौ करोड़ रुपये की राशि जारी करने का एलान किया। साथ ही कहा कि तकनीकी शिक्षा कार्यक्रम के तहत जम्मू-कश्मीर में उच्च शिक्षण संस्थानों के ढांचे को मजबूत करने के लिए राशि उपलब्ध करवाई जाएगी। शनिवार को आईआईटी जम्मू के उद्घाटन समारोह में जावड़ेकर संबोधित कर रहे थे। शनिवार को विधिवत रूप से आईआईटी जम्मू का नया अकादमिक सत्र शुरू हो गया है। इसमें 90 विद्यार्थियों को दाखिला मिला है। जावड़ेकर ने आईआईटी उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों को मुबारकबाद देते हुए कहा कि यह सब उनकी तपस्या का फल है। परीक्षा में पंद्रह लाख छात्र बैठते हैं। डेढ़ लाख विद्यार्थी एडवांस परीक्षा देते हैं, जिसमें पंद्रह से बीस हजार विद्यार्थी आईआईटी के लिए



जम्मू में शनिवार को आईआईटी के उद्घाटन समारोह में केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावड़ेकर और पीएमओ में राज्यमंत्री डा. जितेंद्र सिंह।

चयनित होते हैं। अधिक से अधिक विद्यार्थियों को इसका फायदा मिले, इसके प्रयास किए जा रहे हैं। आधे उद्योगों का नेतृत्व आईआईटी करने वाले विद्यार्थी कर रहे हैं।

केंद्रीय मानव संसाधन विकास

मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि आईआईटी में रिसर्च को बढ़ावा दिया जाएगा। इंडस्ट्री के साथ आईआईटी के विद्यार्थियों का मेलमिलाप जरूरी है। हम चाहते हैं कि आईआईटी खोज का केंद्र बने।

Pioneer ND 07.08.2016 P-01

## Gridlock no issue, drones to fly hearts to needy

PTI ■ THANE

The Fortis hospital in Mulund, Thane, is planning to collaborate with IIT-Bombay to employ drones to transport hearts in case of transplants in a bid to save travel time and lives. Addressing a gathering at Fortis on Friday night, Dr Anvay Mulay, Head of Cardiac transplant team, said the hospital is, with the help of IIT,

planning to make use of drones to transport hearts from one location to another.

"This will reduce the time taken in the present traffic congestion in Mumbai. The weight of the heart is very less and the deadline for its transplant is very short and hence we have to compete with time," he said.

Mulay said the entire project was in the planning stages

and requisite permits from various agencies, including police and airport authorities, would be obtained soon.

Once this is through, then one can expect the time taken for transporting the heart to reduce considerably, he claimed, adding a record 23 heart transplants were carried out by Fortis Mulund during the last one year.

Turn to Page 4

## Gridlock no...

From Page 1

BJP MP and former actor Shatrughan Sinha was the chief guest at the function organised to mark the first heart transplant in the city one year back. Sinha and his wife Poonam called upon citizens to come forward and educate fellowmen about the importance of organ donation.

"I salute those who make these transplants possible and that too in a time bound manner, especially the police who co-ordinate all the things," the former Union Minister said.

**August 6**

NaiDuniyaND  
06.08.2016 P-1

## आईआईटी खड़गपुर में 53 को मिले नौकरी के प्रस्ताव

कोलकाता। आईआईटी खड़गपुर में नए सत्र की शुरुआत से पहले ही 53 छात्रों को नामी कंपनियों से नौकरी के प्रस्ताव मिल गए हैं। सबसे ज्यादा सैमसंग ने 20 छात्रों को ऐसे प्रस्ताव दिए। आईआईटी खड़गपुर में 6 अगस्त से गूगल, फेसबुक जैसी कंपनियां इंटरनशिप की शुरुआत करेंगी।

Navodaya Times  
ND 6/08/2016 P-2

## जावेड़कर आज करेंगे आईआईटी जम्मू का उद्घाटन

नई दिल्ली, 5 अगस्त (ब्यूरो): केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री प्रकाश जावेड़कर छह अगस्त को जम्मू आईआईटी का अस्थायी परिसर में शुभारंभ करेंगे। आईआईटी के अपने कैम्पस का निर्माण भी जल्द ही शुरू हो जाएगी। केंद्र सरकार ने पिछले दिनों जम्मू सहित छह नये आईआईटी खोले जाने का फैसला लिया था। संसद से स्वीकृति के बाद आईआईटी का शुभारंभ अस्थायी परिसर में किया जा रहा है। इस सत्र में यहां कुल 90 छात्रों को अंडर ग्रेजुएट पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाएगा।